

IIT Madras Signs MoU for Joint Educational Programmes



The **Indian Institute of Technology Madras (IIT Madras)** became part of an India-Afghanistan cooperation framework aimed at strengthening **digital education and academic collaboration**. The initiative focused on expanding access to Indian digital learning resources and creating opportunities for joint educational programmes between higher educational institutions of the two countries.

Key Highlights

Key Point	Details
Institution	Indian Institute of Technology Madras (IIT Madras)
Partner Country	Afghanistan
MoU Focus	Digital education and academic cooperation
Major Initiative	Joint educational programmes
Digital Platform	SWAYAM
Other Resources	National Digital Library of India, Virtual Labs and Spoken Tutorials
Additional Areas	Curriculum development, student mobility, research and quality assurance

Special Initiative

Collaboration in robotics projects and e-Yantra activities

Major Areas of Cooperation

The MoU aimed to enable **students and faculty from Afghanistan to access courses offered through SWAYAM**, helping them gain knowledge of emerging technologies and develop relevant skills.

It also proposed sharing Indian digital education resources such as the **National Digital Library of India (NDLI), Virtual Labs and Spoken Tutorials** with Afghan higher educational institutions.

Another important component was the proposed establishment of **joint educational programmes** between higher educational institutions in India and Afghanistan. The cooperation also included curriculum development and sharing of educational expertise.

Why Is It Important?

The initiative highlighted India's efforts to use **digital platforms and technology-enabled education** to strengthen international academic cooperation. It also demonstrated the role of institutions such as IIT Madras in extending India's expertise in digital learning and higher education beyond the country.

Conclusion

The MoU represented an important step towards **India-Afghanistan cooperation in digital education, curriculum development and joint academic programmes**, with IIT Madras contributing its technological and educational expertise.

MCQs

1. Which IIT was associated with the India-Afghanistan digital education collaboration?

- A. IIT Delhi
- B. IIT Bombay
- C. IIT Madras
- D. IIT Kanpur

Answer: C. IIT Madras

2. Which platform was specifically mentioned for online courses?

- A. DIKSHA
- B. SWAYAM
- C. UMANG

D. e-Gyan

Answer: B. SWAYAM**3. Which of the following was NOT mentioned as a digital education resource?**

- A. Virtual Labs
- B. National Digital Library of India
- C. Spoken Tutorials
- D. PM-KISAN

Answer: D. PM-KISAN

आईआईटी मद्रास ने संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए समझौता ज़ापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने भारत-अफगानिस्तान सहयोग के तहत डिजिटल शिक्षा और शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में पहल की। इस पहल का उद्देश्य भारतीय डिजिटल शिक्षण संसाधनों तक पहुंच बढ़ाना और दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के अवसर विकसित करना था।

प्रमुख मुख्य बिंदु

मुख्य बिंदु	विवरण
संस्थान	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
साझेदार देश	अफगानिस्तान
समझौते का मुख्य उद्देश्य	डिजिटल शिक्षा और शैक्षणिक सहयोग
प्रमुख पहल	संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम
डिजिटल मंच	स्वयं (SWAYAM)
अन्य संसाधन	भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, आभासी प्रयोगशालाएं और स्पोकन ट्यूटोरियल
अन्य सहयोग क्षेत्र	पाठ्यक्रम विकास, छात्र आदान-प्रदान, अनुसंधान और गुणवत्ता आश्वासन
विशेष पहल	रोबोटिक्स परियोजनाओं और ई-यंत्र गतिविधियों में सहयोग

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

इस समझौता ज़ापन का उद्देश्य अफगानिस्तान के विद्यार्थियों और शिक्षकों को स्वयं (SWAYAM) के माध्यम से उपलब्ध पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करना था। इससे उन्हें उभरती हुई तकनीकों का ज्ञान प्राप्त करने और आवश्यक कौशल विकसित करने में सहायता मिल सकती है।

इसके अलावा, अफगानिस्तान के उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, आभासी प्रयोगशालाओं और स्पोकन ट्यूटोरियल जैसे भारतीय डिजिटल शिक्षा संसाधनों को साझा करने का प्रस्ताव भी शामिल था।

सहयोग का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू भारत और अफगानिस्तान के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों की स्थापना था। इसमें पाठ्यक्रम विकास और शैक्षणिक विशेषज्ञता को साझा करना भी शामिल था।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यह पहल डिजिटल मंचों और तकनीक आधारित शिक्षा के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के भारत के प्रयासों को दर्शाती है। साथ ही, यह आईआईटी मद्रास जैसे संस्थानों की डिजिटल शिक्षा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय विशेषज्ञता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा करने में भूमिका को भी दर्शाती है।

निष्कर्ष

यह समझौता ज्ञापन डिजिटल शिक्षा, पाठ्यक्रम विकास और संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों के क्षेत्र में भारत-अफगानिस्तान सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसमें आईआईटी मद्रास ने अपनी तकनीकी और शैक्षणिक विशेषज्ञता के माध्यम से सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भारत-अफगानिस्तान डिजिटल शिक्षा सहयोग से कौन-सा आईआईटी जुड़ा था?

- A. आईआईटी दिल्ली
 - B. आईआईटी बॉम्बे
 - C. आईआईटी मद्रास
 - D. आईआईटी कानपुर
- उत्तर: C. आईआईटी मद्रास

2. ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए किस डिजिटल मंच का उल्लेख किया गया था?

- A. दीक्षा
 - B. स्वयं
 - C. उमंग
 - D. ई-ज्ञान
- उत्तर: B. स्वयं

3. निम्नलिखित में से किसे डिजिटल शिक्षा संसाधन के रूप में उल्लेखित नहीं किया गया था?

- A. आभासी प्रयोगशालाएं
 - B. भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय
 - C. स्पोकन ट्यूटोरियल
 - D. पीएम-किसान
- उत्तर: D. पीएम-किसान

Financial Approval Granted for the Development of Religious Sites



The Rajasthan government's Finance Department has approved around **₹23 crore** for the renovation, beautification, and development of major religious tourism destinations across the state. The initiative aims to improve facilities for pilgrims and tourists while strengthening Rajasthan's religious and heritage tourism infrastructure.

Key Highlights

Key Area	Details
Total Approval	Around ₹23 crore
Main Objective	Development and beautification of religious tourism destinations
Trinetra Ganesh Temple	Around ₹2 crore approved
Dwarkadhish Temple	Over ₹1 crore approved
Other Focus	Roads, parking, drinking water, food courts and public amenities
Heritage Tourism	Over ₹4.35 crore separately approved for Nahargarh and Amer

Major Development Works

At **Trinetra Ganesh Temple in Ranthambore**, funds will support a convenience road from Hammir Mahal and improve public facilities such as drinking water. At **Dwarkadhish Temple**

in **Rajsamand**, development includes a food court, parking facilities, painting and electrification.

Why Is It Important?

The investment can improve the overall experience for pilgrims and tourists while supporting local businesses and employment around religious destinations. Better roads, parking, sanitation and visitor facilities can also help Rajasthan strengthen its position as a major religious tourism destination.

Tourism and Local Economy

Religious tourism attracts large numbers of visitors to Rajasthan every year. Improved infrastructure can increase visitor convenience, encourage longer stays and generate economic opportunities for local communities, including transport, accommodation, food and handicraft businesses.

Conclusion

The ₹23 crore approval represents a significant push towards developing Rajasthan's religious tourism infrastructure. By combining renovation, beautification and basic visitor amenities, the initiative seeks to make important religious destinations safer, cleaner and more accessible. If implemented effectively, these investments could benefit pilgrims, tourists and local communities while contributing to the state's broader tourism economy.

MCQs

1. How much funding has been approved for religious tourism development?

- A) ₹10 crore
- B) ₹15 crore
- C) ₹23 crore
- D) ₹30 crore

Answer: C) ₹23 crore

2. Which temple received around ₹2 crore?

- A) Dwarkadhish Temple
- B) Trinetra Ganesh Temple
- C) Meenakshi Temple
- D) Somnath Temple

Answer: B) Trinetra Ganesh Temple

3. Which site received over ₹1 crore for development?

- A) Dwarkadhish Temple
- B) Amer Fort
- C) Nahargarh Fort

D) Govind Dev Ji Temple

Answer: A) Dwarkadhish Temple

4. What is a major objective of the initiative?

A) Industrial expansion

B) Religious tourism development

C) Agricultural subsidies

D) Sports infrastructure

Answer: B) Religious tourism development

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए वित्तीय स्वीकृति

राजस्थान सरकार के वित्त विभाग ने राज्य के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और विकास के लिए लगभग ₹23 करोड़ की स्वीकृति दी है। इस पहल का उद्देश्य तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए सुविधाओं में सुधार करना तथा राजस्थान के धार्मिक और विरासत पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

मुख्य बिंदु

मुख्य क्षेत्र	विवरण
कुल स्वीकृति	लगभग ₹23 करोड़
मुख्य उद्देश्य	धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास और सौंदर्यीकरण
त्रिनेत्र गणेश मंदिर	लगभग ₹2 करोड़ स्वीकृत
द्वारकाधीश मंदिर	₹1 करोड़ से अधिक स्वीकृत
अन्य प्रमुख कार्य	सड़कें, पार्किंग, पेयजल, फूड कोर्ट और सार्वजनिक सुविधाएं
विरासत पर्यटन	नाहरगढ़ और आमेर के लिए अलग से ₹4.35 करोड़ से अधिक स्वीकृत

प्रमुख विकास कार्य

रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर में हम्मिर महल से सुविधा मार्ग के लिए धनराशि का उपयोग किया जाएगा और पेयजल जैसी सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। राजसमंद के द्वारकाधीश मंदिर में फूड कोर्ट, पार्किंग सुविधाएं, रंग-रोगन और विद्युतीकरण जैसे विकास कार्य शामिल हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यह निवेश तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के साथ-साथ धार्मिक स्थलों के आसपास स्थानीय व्यवसायों और रोजगार को बढ़ावा दे सकता है। बेहतर सड़कें, पार्किंग, स्वच्छता और पर्यटक सुविधाएं राजस्थान को एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने में भी मदद कर सकती हैं।

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था

धार्मिक पर्यटन हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटकों को राजस्थान की ओर आकर्षित करता है। बेहतर बुनियादी ढांचा पर्यटकों की सुविधा बढ़ा सकता है, लंबे समय तक ठहरने को प्रोत्साहित कर सकता है और परिवहन, आवास, भोजन तथा हस्तशिल्प व्यवसायों सहित स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसर पैदा कर सकता है।

निष्कर्ष

₹23 करोड़ की स्वीकृति राजस्थान के धार्मिक पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और आवश्यक पर्यटक सुविधाओं को एक साथ विकसित करके इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुलभ बनाना है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो ये निवेश तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाने के साथ-साथ राज्य की व्यापक पर्यटन अर्थव्यवस्था में योगदान कर सकते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. धार्मिक पर्यटन विकास के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है?

- A) ₹10 करोड़
- B) ₹15 करोड़
- C) ₹23 करोड़
- D) ₹30 करोड़

उत्तर: C) ₹23 करोड़

2. किस मंदिर के लिए लगभग ₹2 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं?

- A) द्वारकाधीश मंदिर
- B) त्रिनेत्र गणेश मंदिर
- C) मीनाक्षी मंदिर
- D) सोमनाथ मंदिर

उत्तर: B) त्रिनेत्र गणेश मंदिर

3. विकास के लिए ₹1 करोड़ से अधिक किस स्थल को प्राप्त हुए हैं?

- A) द्वारकाधीश मंदिर
- B) आमेर किला
- C) नाहरगढ़ किला
- D) गोविंद देव जी मंदिर

उत्तर: A) द्वारकाधीश मंदिर

4. इस पहल का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

- A) औद्योगिक विस्तार
- B) धार्मिक पर्यटन विकास
- C) कृषि सब्सिडी
- D) खेल बुनियादी ढांचा

उत्तर: B) धार्मिक पर्यटन विकास

RASonly